



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 21, 2009/श्रावण 30, 1931

No. 275]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 21, 2009/SRAVANA 30, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2009

जांच शुरुआत (निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. तथा चीनी ताइपेई के मूल की अथवा वहां से निर्यातित नैरो वोवन फैब्रिक्स के आयात के संबंध में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा की शुरुआत ।

फा. सं. 15/9/2009-डीजीएडी.— 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन तथा चीनी ताइपेई (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा जाएगा) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित नैरो वोवन फैब्रिक्स (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा जाएगा) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । प्राधिकारी के जांच शुरुआत संबंधी परिणाम तथा अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना क्रमशः दिनांक 10 जनवरी, 2005 तथा दिनांक 7 जून, 2005 की अधिसूचनाओं द्वारा जारी की गई थी । परिणामों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा क्रमशः दिनांक 14/02/2005 की अधिसूचना संख्या 08/2005 तथा दिनांक 25/07/2005 की अधिसूचना संख्या 76/2005 के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर अनंतिम तथा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

2. निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

यतः सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) नियमावली 1995 की धारा 9 क (5) के संदर्भ में, पाटनरोधी शुल्क यदि पहले ही समाप्त न कर दिया गया हो तो उसके लागू होने की तिथि से 5 वर्षों के भीतर स्वतः ही समाप्त हो जाएगा तथा प्राधिकारी द्वारा इस बात की समीक्षा करना

अपेक्षित होगा कि शुल्क के समाप्त हो जाने से पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है अथवा नहीं। इस संबंध में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2006 की डब्ल्यू पी सं. 16893 में यह कहा है कि निर्णायक समीक्षा अनिवार्य है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार, इस बात की जांच करने के लिए कि शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है अथवा नहीं, एतद्वारा निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करते हैं।

3. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद, मानव निर्मित फाइबर से बना, पाइल बुनावट वाला नैरो वोवन फैब्रिक है, जिसका उपयोग "फास्टनिंग टेप" (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा जाएगा) के रूप में किया जाता है। बाजार की भाषा में संबद्ध वस्तु को "हुक एण्ड लूप टेप फास्टनर्स", "वेलक्रो टेप्स", "फास्टनिंग टेप्स", फास्टनर्स" इत्यादि जैसे विभिन्न समानार्थी नामों से जाना जाता है। उत्पाद की विशिष्ट विशेषता "पाइल बुनावट" है। संबद्ध वस्तुओं का वर्णन पील मजबूती, प्रतिबल मजबूती तथा लाइट फास्टनेस के संदर्भ में किया जाता है। हुक एवं लूप फास्टनर्स सामान्यतः मानव निर्मित फाइबर (यार्न), नायलॉन (नायलॉन 6 तथा नायलॉन 6,6), पॉलिएस्टर इत्यादि से बनाए जाते हैं। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन सामान्यतः 12 मिमी से 125 मिमी की चौड़ाई के बीच के आकारों में किया जाता है। इसके अलावा, यद्यपि बाजार में उत्पाद की बिक्री उत्पाद की लंबाई (मीटर में) के संदर्भ में की जाती है, तथा विभिन्न उत्पाद के प्रकारों की संघटित लागतें तथा कीमतें, चौड़ाई के अनुसार अलग-अलग होती हैं तथापि भार में परिवर्तित किए जाने पर वे समान हो जाती हैं। संबद्ध वस्तुओं का उपयोग मुख्यतः वस्त्र उद्योगों, शल्य चिकित्सीय तथा हड्डियों की चिकित्सा से संबंधित उपकरणों के विनिर्माण, जूतों तथा फुटवियर विनिर्माण, लगेज/बैगों के विनिर्माण, खिलौनों, ऑटोमोबाइलों में प्रयुक्त होने वाली अपहोलस्ट्री तथा विभिन्न अन्य औद्योगिक खण्डों में किया जाता है। नैरो वोवन फैब्रिक को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 580610 के तहत वर्गीकृत किया गया है।

4. प्रक्रिया

1.) इस जांच से यह निर्धारित किया जा सकेगा कि उपाय के समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है अथवा नहीं। प्राधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या शुल्कों को जारी रखना पाटन से बचाव हेतु आवश्यक है, तथा यदि शुल्क को समाप्त किया जाता है अथवा उसमें परिवर्तन किया जाता है अथवा दोनों किए जाते हैं तो क्या क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है:-

(i) इस समीक्षा में दिनांक 07/06/2005 की अधिसूचना संख्या 14/24/2003-डी जी ए डी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। इस समीक्षा जांच में शामिल देश चीन जन.गण. तथा चीनी ताइपेई हैं।

- (ii) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 तक की है। तथापि क्षति जांच की अवधि में अप्रैल 2005 - मार्च, 06, अप्रैल 2006 - मार्च, 2007, अप्रैल 2007-मार्च 2008 तथा जांच अवधि शामिल होगी।
- (iii) उपर्युक्त नियमावली के नियम 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 तथा 20 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित इस समीक्षा पर लागू होंगे।

II) सूचना प्रस्तुत करना

घरेलू उद्योग द्वारा इस अधिसूचना के जारी होने के चालीस (40) दिनों के भीतर निर्धारित प्रपत्र (घरेलू उद्योग हेतु आवेदन) में सूचना तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति अथवा दोनों की संभावना संबंधी सूचना तथा शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता को प्रमाणित करते हुए सूचना प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत स्थित उनके दूतावासों के जरिए उनकी सरकारों, भारत के ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को निर्धारित स्वरूप एवं ढंग से संगत सूचना उपलब्ध कराने तथा प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

फैक्स: 91-11-23063418

अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संगत निवेदन कर सकती है। प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय निवेदन प्रस्तुत करने वाली किसी पार्टी द्वारा, दूसरी पार्टियों हेतु उसका एक अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

III. समय सीमा :

घरेलू उद्योग से सूचना प्रस्तुत होने पर, सभी हितबद्ध पार्टियों, जिनके पते उपलब्ध होंगे, को लिखित में अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने की सलाह दी जाएगी ताकि वह इस पत्र के जारी होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर ऊपर उल्लिखित पते पर प्राधिकारी के पास पहुंच सकें। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी, जिसका पता उपलब्ध नहीं हो, भी घरेलू उद्योग के आवेदन की तारीख से 40 दिनों के भीतर टिप्पणियाँ/सूचना प्रस्तुत कर सकती है। इस प्रयोजनार्थ आवेदन के अगोपनीय रूपांतर को सार्वजनिक फाइल में रखा जाएगा। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

IV. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण :

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है। यदि कोई हितबद्ध पार्टी

आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th August, 2009

Initiation (Sunset Review)

Subject : Initiation of Sunset review of Anti-dumping Duty concerning import of Narrow Woven fabrics originating in or exported from China PR and Chinese Taipei.

F. No. 15/9/2009-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Designated Authority (herein after referred to as Authority) recommended imposition of Anti Dumping Duty on imports of Narrow Woven Fabrics (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China and Chinese Taipei (hereinafter referred to as subject countries). The preliminary findings and final findings notifications of the Authority were notified vide notification dated 10th January 2005 and dated 7th June 2005 respectively. On the basis of the findings, provisional and definitive anti dumping duties on the subject goods imported from subject countries were imposed by the Department of Revenue vide notifications No. 08/2005 dated 14.2.2005 and 76/2005 dated 25.7.2005 respectively.

2. Initiation of Sunset Review

WHEREAS in terms of Section 9A(5) the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 the antidumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this regard, Hon'ble

Delhi High Court in WP No 16893 of 2006 held that sunset review is mandatory, therefore, the Designated Authority hereby initiate sunset review in accordance with section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of Antidumping Rules to examine whether cessation of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

3. Product under Consideration

The Product under consideration in the present investigations is "narrow woven fabric having pile weave, made up of man made fibers, used as a fastening tape" (henceforth also referred to as subject goods). In market parlance, the subject goods are known by various synonyms such as "Hook & Loop Tape Fasteners", "Velcro Tapes", "Fastening Tapes", "Fasteners" etc. The distinguishing feature of the product is "pile weave". The subject goods are described in terms of Peel Strength, Shear Strength and Light Fastness. Hook and Loop fasteners are generally made from man made fibers (yarns) nylon (Nylon 6 and Nylon 6,6), polyester etc. The product under consideration is produced in sizes typically varying between 12mm to 125mm of width. Further, while the product is sold in the market place in terms of length of the product (measured in meters) and the associated costs and prices of various product types vary with width, the same becomes almost homogenous when converted into weight. The major uses of the subject goods are in industries such as garment industries, surgical & orthopedic apparatus manufacturing, shoes & footwear manufacturing, luggage/bags manufacturing, toys, automobile upholstery and various other industrial segments. Narrow Woven fabric is classified under customs Sub heading 580610 of the Customs Tariff Act 1975.

4. Procedure

D) The investigation will determine whether the expiry of the measure would be likely to lead to a continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority will examine whether the continued imposition of the duties is necessary to offset dumping and whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both:-

- i. The review will cover all aspects of Notification 14/24/2003-DGAD dated 7.6.2005/ The countries involved in this review investigation are China PR and Chinese Taipei.
- ii. The period of investigation for the purpose of the present review is from 1st April 2008 to 31st March 2009. The injury investigation period will however cover the periods April,2005-March,06, April,2006-March,2007, April,2007-March,2008 and the POI.

3034 4709-2

- iii. The provisions of Rules 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 and 20 of the Rule supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

II) Submission of Information:

The Domestic industry is required to submit information on prescribed *pro forma* (Application for Domestic industry) and information on likelihood of continuance or recurrence of dumping and injury or both substantiating the need for continuation of duty within forty days (40 days) of issue of this notification.

The exporters in subject countries, their government through their Embassies in India, the importers and users in India known to be concerned would be addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority in the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry

Department of Commerce
Udyog Bhavan New Delhi-110011.

Fax: 91-11-23063418

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

III) Time Limit:

On receipt of information from domestic industry, all interested parties, whose addresses are available, would be advised through a letter to offer their comments in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of issuance of such letter. Any other interested party, whose address is not available, may also submit comments/ information within 40 days from date application from Domestic industry. For this purpose non confidential version of the application

would be placed in the public file. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

IV) Inspection of Public File:

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority